भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

राज्य सभा

लिखित प्रश्न सं. 2221 #

गुरूवार, 7 अगस्त, 2025/16 श्रावण, 1947 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

उत्तर प्रदेश में 'पर्यटन मित्र' और 'पर्यटन दीदी' पहल

2221 # श्रीमती दर्शना सिंह:

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) उत्तर प्रदेश में 'पर्यटन मित्र' तथा 'पर्यटन दीदी' पहलों के अंतर्गत अब तक कितने व्यक्तियों का चयन एवं प्रशिक्षण किया गया है, तथा उनकी क्या मुख्य जिम्मेदारियाँ निर्धारित की गई हैं;

(ख) 'भारत रणभूमि दर्शन' पहल के अंतर्गत उत्तर प्रदेश राज्य के किन-किन ऐतिहासिक, स्वतंत्रता संग्राम अथवा सैन्य महत्व के स्थलों को सम्मिलित किया गया है; और

(ग) 'पर्यटन दीदी' पहल के अंतर्गत उत्तर प्रदेश के किन जिलों में महिला गाइडों को प्रशिक्षण दिया गया है और उनकी वर्तमान संख्या कितनी है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क): पर्यटन मंत्रालय ने पर्यटन मित्र/पर्यटन दीदी के नाम से एक राष्ट्रीय जिम्मेदारीयुक्त पर्यटन पहल शुरू की है। यह पहल भारत के 6 पर्यटन स्थलों नामतः ओरछा (मध्य प्रदेश), गांडीकोटा (आंध्र प्रदेश), बोधगया (बिहार), आइजोल (मिजोरम), जोधपुर (राजस्थान) और श्री विजया पुरम (अंडमान और निकोबार द्वीप समूह) में प्रायोगिक रूप से शुरू की गई थी।

इस कार्यक्रम के प्रायोगिक चरण में 4,000 से अधिक लोगों को प्रशिक्षित किया जा चुका है। अब इस कार्यक्रम को पूरे देश में लागू कर दिया गया है, जिसमें उत्तर प्रदेश में वाराणसी, अयोध्या और आगरा शामिल हैं।

(ख): रक्षा मंत्रालय द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, रणभूमि ऐप और भारत रणभूमि दर्शन पहल की शुरूआत भारत के नागरिकों के लिए ऐतिहासिक महत्व और वीरता के उन क्षेत्रों को खोलने के लिए की गई है जो भारतीय सशस्त्र बलों के बलिदान के प्रतीक हैं। 77 शौर्य गंतव्य स्थलों में से कोई भी स्थल उत्तर प्रदेश राज्य में स्थित नहीं है।

(ग): अतुल्य भारत पर्यटक सुविधा प्रदाता/गाइड पाठ्यक्रम के अंतर्गत उत्तर प्रदेश राज्य में कुल 2161 अभ्यर्थियों ने पाठ्यक्रम पूरा कर लिया है तथा उन्हें पहचान पत्र प्रदान किए गए हैं, इनमें से 76 महिलाएं हैं।

*****